Scan QR To
Connect us on Internet

अंग इंडिया

पूर्णिया से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

19 फ़रवरी 2026 । पूर्णिया । गुरुवार । कुल पृष्ठ - 03 । मूल्य - 03 । 17 फाल्गुन । शुक्ल पक्ष । द्वितीया । 2082 कालयुक्त । विक्रम सम्वत https://angindianews.in

मुजफ्फरपुर में 15 हजार घूस लेते दारोगा गिरफ्तार, निगरानी विभाग की बड़ी कार्रवाई

मुजफ्फरपुर: बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत बुधवार को निगरानी विभाग ने मुजफ्फरपुर जिले में तैनात एक दारोगा को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी की यह कार्रवाई शहर के भगवानपुर स्थित पुराने सदर थाना क्षेत्र के पास की गई।

गिरफ्तार दारोगा की पहचान भास्कर कुमार के रूप में हुई है, जो सदर थाने में पदस्थापित था। जानकारी के अनुसार, वह एक मामले में मदद करने के नाम पर स्थानीय पीड़ित से रिश्वत की मांग कर रहा था। पीड़ित ने इसकी शिकायत निगरानी विभाग से की थी।

शिकायत के सत्यापन के बाद निगरानी विभाग बिहार की टीम ने जाल बिछाया। जैसे ही भास्कर कुमार ने भगवानपुर में पीड़ित से रिश्वत की राशि ली, पहले से घात लगाए टीम के अधिकारियों ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया।

बताया जा रहा है कि भास्कर कुमार वर्ष 2019 बैच का पुलिस अधिकारी है और मूल रूप से पूर्णिया जिले का निवासी है। कम समय में ही रिश्वत के मामले में नाम सामने आने और रंगेहाथ पकड़े जाने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी दारोगा से पूछताछ जारी है। निगरानी विभाग के अधिकारियों ने कहा है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के तहत आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पूछताछ के उपरांत आरोपी को निगरानी की विशेष अदालत में प्रस्तुत किया जाएगा।

मैट्रिक परीक्षा छूटने पर छात्रा ने ट्रेन से कटकर दी जान

पटना। बिहार में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चल रही मैट्रिक परीक्षा के दौरान एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। पटना जिले के मसौढ़ी में परीक्षा छूटने से आहत छात्रा ने मंगलवार को ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। घटना पटना–गया रेलखंड पर तारेगना स्टेशन और छोटकी मसौढ़ी हॉल्ट के बीच महराजचक गांव के समीप हुई।

मृत छात्रा की पहचान खरजावां गांव निवासी मंटू यादव की पुत्री कोमल कुमारी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार सड़क जाम के कारण वह बरनी स्थित परीक्षा केंद्र पर विलंब से पहुंची, जिसके चलते उसे प्रवेश नहीं दिया गया। घर लौटने के बाद वह लगातार रोती रही। परिजनों ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन कुछ देर बाद वह घर से निकल गई।

बताया जाता है कि कोमल पटना–गया रेलखंड पर महराजचक गांव के पास रेलवे ट्रैक पर खड़ी हो गई और ट्रेन की चपेट में आ गई। सूचना मिलने पर मसौढ़ी थाना पुलिस मौके

पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल छात्रा को अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए यूडी केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उल्लेखनीय है कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित मैट्रिक वार्षिक परीक्षा-2026 मंगलवार से शुरू हुई है। यह परीक्षा 25 फरवरी तक पटना के 70 सहित राज्यभर के 1699 केंद्रों पर आयोजित की जा रही है। इस वर्ष कुल 15 लाख 12 हजार 687 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। परीक्षा केंद्रों पर देर से पहुंचने वाले छात्रों को प्रवेश नहीं देने के निर्देश हैं।

नेपाल मार्ग से जाली नोट सप्लाई करने वाला 'लादेन' गिरफ्तार, विदेशी कनेक्शन की जांच तेज

मधुबनी। नेपाल के रास्ते पाकिस्तान में छपी नकली भारतीय करेंसी भारत में खपाने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के शातिर सदस्य अबुल इनाम उर्फ लादेन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार देर रात बासोपट्टी थानाध्यक्ष विकास कुमार, नगर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर मनोज कुमार और विभिन्न जांच एजेंसियों की संयुक्त टीम ने शहर के कोतवाली चौक स्थित उसके आवास पर छापेमारी कर उसे दबोच लिया।

गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियों और वरीय पुलिस अधिकारियों ने उससे कई घंटों तक पूछताछ की। पूछताछ में गिरोह के नेटवर्क और विदेशी कनेक्शन को लेकर महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े पाकिस्तानी नागरिक अंसारी उर्फ मो. मस्तान की तलाश में जुटी है।

राघव दयाल (जयनगर डीएसपी) ने बताया कि यह कार्रवाई पाकिस्तान में छपी जाली भारतीय मुद्रा की बरामदगी के मामले में की गई है। इससे पहले 2 मार्च 2025 को गिरोह

के तीन सदस्य—रशीद जमाल, हाजी मोहम्मद ओवैस और ताहिर—को गिरफ्तार किया गया था। उनके पास से 13,800 रुपये की नकली भारतीय करेंसी, 8 हजार रुपये के नकली नेपाली नोट और कई संदिग्ध दस्तावेज बरामद हुए थे।

रशीद जमाल की गिरफ्तारी कोतवाली चौक से, ओवैस को पंडौल के बिठुआर से तथा ताहिर को जयनगर के बलडीहा से पकड़ा गया था। इन्हीं आरोपियों के बयान के आधार पर अबुल इनाम उर्फ लादेन का नाम सामने आया।

पुलिस को संदेह है कि अबुल इनाम की सांठगांठ सोना व्यापारियों और अवैध हथियार तस्करों से भी रही है। जब्त मोबाइल फोन की जांच में अवैध हथियार सप्लाई से जुड़े कई साक्ष्य मिले हैं। एक आरोपी के मोबाइल में देशी-विदेशी पिस्टलों की तस्वीरें और सोने के बिस्किट की फोटो मिलने से पुलिस हैरान है। अन्य आरोपियों के मोबाइल में भी हथियारों की तस्वीरें पाई गई हैं।

घंटों पूछताछ के बाद मंगलवार शाम उसे मधुबनी व्यवहार न्यायालय में न्यायिक दंडाधिकारी दिवानंद झा की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

योगेंद्र कुमार (एसपी, मधुबनी) ने बताया कि बासोपट्टी थाने में दर्ज प्राथमिकी में चार नामजद समेत अन्य को आरोपी बनाया गया था। पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर अबुल इनाम की गिरफ्तारी की गई है। उसके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है ताकि गिरोह की अन्य कड़ियों तक पहुंचा जा सके।

राज्य में टीबी से मृत्यु दर में रिकॉर्ड गिरावट, मृत्यु दर घटकर 2.1% और सफलता दर 86.9%

पटना: बिहार में टीबी (ट्यूबरकुलोसिस) के खिलाफ चल रहे महाभियान के उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग के हालिया आंकड़ों के अनुसार टीबी से होने वाली मृत्यु दर घटकर 2.1 प्रतिशत के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है, जबकि इलाज की सफलता दर बढ़कर 86.9 प्रतिशत (लगभग 87%) हो गई है।

पिछले पांच वर्षों के रुझान पर नजर डालें तो वर्ष 2021 में टीबी मृत्यु दर 3.7 प्रतिशत थी, जो 2024 तक घटकर 2.1 प्रतिशत रह गई—यह लगभग 43 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। विभागीय प्रयासों, बेहतर निगरानी तंत्र और समय पर उपचार से मरीजों की जान बचाने में बड़ी सफलता मिली है।

ड्रग-सेंसिटिव टीबी के इलाज में राज्य की औसत सफलता दर 86.9 प्रतिशत तक पहुंच चुकी

है। जिलावार प्रदर्शन में बक्सर, सहरसा, भागलपुर, सीतामढ़ी और लखीसराय राज्य औसत से बेहतर रहे हैं। वहीं मुजफ्फरपुर, वैशाली और दरभंगा ने भी औसत बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार दवाओं की नियमित उपलब्धता, सघन ट्रैकिंग प्रणाली और निक्षय पोषण योजना जैसी पहलों ने मरीजों को उपचार पूरा करने के लिए प्रेरित किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि मृत्यु दर में ऐतिहासिक कमी और बढ़ती सफलता दर यह संकेत देती है कि बिहार टीबी मुक्त लक्ष्य की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

सासाराम में तिलक के बाद 24 घंटे में पांच की संदिग्ध मौत, शराब या कुत्ता काटने पर उलझी जांच

सासाराम (रोहतास)। बिहार के सासाराम में एक तिलक समारोह के बाद 24 घंटे के भीतर पांच लोगों की संदेहास्पद मौत से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। मृतकों में दूल्हे का भाई भी शामिल है। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं, जिसमें जहरीली शराब से मौत की आशंका भी जताई जा रही है, जबकि उत्पाद विभाग ने कुत्ता काटने की संभावना व्यक्त की है।

जानकारी के अनुसार 14 फरवरी की रात भोजपुर जिले के तरारी गांव से बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के मठिया निवासी पूजन सिंह के पुत्र की शादी को लेकर तिलक समारोह आयोजित हुआ था। समारोह के बाद सभी लोग अपने-अपने घर लौट गए। 16 फरवरी को मठिया निवासी पूजन सिंह के करीब 30 वर्षीय पुत्र लल्लू सिंह की अचानक तबीयत बिगड़ी और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

इसके बाद जानकारी मिली कि लल्लू सिंह के रिश्तेदारों में नासरीगंज थाना क्षेत्र के सबदला से एक व्यक्ति, गरहाथा गांव से एक व्यक्ति तथा अकोढ़ीगोला से खाना बनाने गए दो हलवाइयों की भी मौत हो गई है। इस प्रकार कुल पांच लोगों की संदिग्ध परिस्थिति में मौत होने से क्षेत्र में दहशत फैल गई। सभी मृतकों का अंतिम संस्कार पहले ही कर दिया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही बिहार पुलिस सक्रिय हो गई। रोहतास के पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच टीम का विस्तृत प्रतिवेदन मिलने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

इधर उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग बिहार की टीम भी गांव पहुंची। सहायक आयुक्त तारिक महमूद ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कुछ परिजनों ने कुत्ता काटने की बात कही है। उन्होंने कहा कि यदि शराब से मौत होती तो 14 फरवरी से ही तबीयत बिगड़ती, जबकि 15 फरवरी के बाद तबीयत खराब होने की बात सामने आई है। हालांकि बिना पोस्टमार्टम रिपोर्ट के इस तरह का बयान दिए जाने से लोग हैरान हैं।

फिलहाल पूरे मामले को लेकर गांव में शोक और संशय का माहौल है। प्रशासन जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा करने की बात कह रहा है।

पटना यूनिवर्सिटी की बड़ी लापरवाही, छात्र के एडमिट कार्ड पर लड़की की तस्वीर, परीक्षा से पहले भटकता रहा अभ्यर्थी

पटना। बिहार के सबसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में शुमार पटना यूनिवर्सिटी में लापरवाही का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एमए परीक्षा देने जा रहे एक छात्र के एडमिट कार्ड पर न केवल गलत नाम छाप दिया गया, बल्कि उसकी जगह किसी लड़की की तस्वीर भी लगा दी गई। परीक्षा शुरू होने से ठीक एक दिन पहले सामने आई इस गंभीर त्रुटि ने छात्र के भविष्य पर संकट खड़ा कर दिया है।

पीड़ित छात्र जाबिर अंसारी एमए (उर्दू) का विद्यार्थी है। उसके एडमिट कार्ड में नाम 'जाबिर अंसारी' की जगह 'जाबिर अनाड़ी' दर्ज कर दिया गया है, जबकि फोटो किसी अन्य छात्रा की लगी हुई है। गुरुवार से परीक्षा शुरू होनी है, लेकिन त्रुटि सुधार के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

बुधवार को छात्र परीक्षा विभाग के कार्यालय में सुधार के लिए भटकता रहा। उसने अधिकारियों और कर्मियों से गुहार लगाई, परंतु उसकी समस्या का समाधान नहीं हो सका। छात्र का कहना है कि गलत एडमिट कार्ड के आधार पर उसे परीक्षा केंद्र में प्रवेश से रोका जा सकता है। यदि किसी तरह प्रवेश मिल भी गया तो जांच के दौरान पहचान में गड़बड़ी पाए जाने पर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई तक हो सकती है।

इस घटना से विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि प्रारंभिक तौर पर इसे कंप्यूटर ऑपरेटर स्तर की त्रुटि बताया जा रहा है, लेकिन छात्र के सामने तत्काल समस्या का समाधान अब भी अधर में है।

परीक्षा जैसे संवेदनशील मामले में ऐसी चूक ने विश्वविद्यालय की साख पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है। छात्र जाबिर अंसारी अपने भविष्य को लेकर चिंतित है और प्रशासन से शीघ्र सुधार की मांग कर रहा है, ताकि वह निर्धारित तिथि पर परीक्षा में शामिल हो सके।

तीन लाख का इनामी नक्सली सुरेश कोड़ा उर्फ मुस्तकीम ने किया आत्मसमर्पण, AK-47 समेत भारी हथियार जमा

मुंगेर। बिहार, झारखंड समेत आसपास के राज्यों में दहशत का पर्याय बने तीन लाख के इनामी नक्सली सुरेश कोड़ा उर्फ मुस्तकीम ने हथियारों के जखीरे के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। उसने मुंगेर के डीआईजी के समक्ष हथियार डालते हुए मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। इस कार्रवाई में बिहार एसटीएफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सुरेश कोड़ा स्पेशल एरिया कमेटी का सक्रिय सदस्य रहा है और पिछले 25 वर्षों से फरार चल रहा था। उसके विरुद्ध मुंगेर, लखीसराय और जमुई जिलों के विभिन्न थानों में करीब 60 नक्सल कांड दर्ज हैं। सरकार ने उसके सिर पर तीन लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

आत्मसमर्पण के दौरान उसने एके-47, एके-56 राइफल, दो इंसास राइफल और करीब 500 कारतूस सुरक्षा बलों को सौंपे। सुरक्षा एजेंसियां इसे राज्य में नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी सफलता मान रही हैं।

अधिकारियों ने बताया कि सुरेश कोड़ा को राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति

के तहत लाभ दिया जाएगा, ताकि वह सामान्य जीवन व्यतीत कर सके। उसके आत्मसमर्पण से पुलिस महकमे ने राहत की सांस ली है और नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की तैयारी की जा रही है।

फारबिसगंज में विवाहिता से मारपीट, 5 लाख दहेज के लिए घर से निकाला

अररिया, प्रिंस कुमार: फारबिसगंज थाना क्षेत्र के रामपुर उत्तर पंचायत (वार्ड संख्या 2) से दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां की निवासी 30 वर्षीया प्रियंका देवी ने अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ मारपीट और शारीरिक-मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

पीड़िता प्रियंका देवी, जिनका मायका नालंदा के मनोहर बीघा में है, ने बताया कि उनकी शादी वर्ष 2014 में हिंदू रीति-रिवाज के साथ ब्रजकिशोर महतो से हुई थी। शादी के समय उनके पिता ने सामर्थ्य अनुसार 3 लाख रुपये नकद और पल्सर मोटरसाइकिल समेत अन्य कीमती सामान दहेज के रूप में दिए थे। शुरुआती तीन साल सब कुछ सामान्य रहा और उनके दो बच्चे (अमित और प्रीति) भी हुए, लेकिन उसके बाद ससुराल वालों की मांगें बढ़ गईं।

पीड़िता का आरोप है कि पति बृज किशोर महतो अक्सर शराब

पीकर उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट करते हैं। आवेदन के अनुसार पति के अलावा सास नागेश्वरी देवी, ससुर दशरथ महतो, भैंसुर राजकिशोर महतो, देवर अवध किशोर महतो और गोतनी रिंकी देवी पर प्रताड़ना का आरोप है। ससुराल वाले 5 लाख अतिरिक्त दहेज की मांग कर रहे हैं और बच्चों को छीनकर प्रियंका को घर से बाहर निकालने की धमकी दे रहे हैं।

घटना के संबंध में पीड़िता ने बताया कि घर से निकाले जाने के बाद वह अपने मायके चली गई थी। बुधवार को जब वह अपनी दादी और भाभी के साथ वापस ससुराल पहुँची, तो ससुराल वालों ने घर में घुसने से मना कर दिया। विरोध करने पर उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई, जिसमें वह घायल हो गईं। आनन-फानन में उन्हें फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है।

पुलिस का बयान: "महिला द्वारा दिए गए आवेदन को प्राप्त कर लिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस जांच में जुट गई है। जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एआई समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी पर दोहरा विवाद, रोबोडॉग के बाद 'ड्रोन सॉकर' पर भी उठे सवाल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान गलगोटिया यूनिवर्सिटी एक बार फिर विवादों में घिर गई है। पहले चीनी निर्मित रोबोटिक डॉग को अपना उत्पाद बताकर पेश करने के मामले में किरकिरी झेल चुकी यूनिवर्सिटी अब 'ड्रोन सॉकर' को लेकर नए विवाद में फंस गई है। आरोप है कि जिस ड्रोन सॉकर को विश्वविद्यालय ने अपनी मौलिक तकनीक बताया, वह दक्षिण कोरिया में निर्मित उत्पाद जैसा निकला।

समिट में यूनिवर्सिटी की कम्युनिकेशन प्रोफेसर नेहा सिंह का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह डीडी न्यूज के रिपोर्टर को ड्रोन सॉकर के बारे में जानकारी देती नजर आ रही हैं। वीडियो में उन्होंने दावा किया कि इस प्रोजेक्ट का एंड-टू-एंड इंजीनियरिंग और एप्लीकेशन विकास विश्वविद्यालय परिसर में ही हुआ है। उन्होंने इसे भारत का पहला ड्रोन सॉकर एरिना भी बताया, जहां छात्र इसे विकसित और संचालित कर रहे हैं।

हालांकि वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसकी पड़ताल शुरू हुई। कई यूजर्स ने दावा किया कि यह उत्पाद दक्षिण कोरिया की एक कंपनी द्वारा निर्मित ड्रोन सॉकर से मिलता-जुलता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में व्यावसायिक रूप से उपलब्ध है। एक वेबसाइट पर इसकी कीमत करीब 40 हजार रुपये बताई जा रही है।

गौरतलब है कि इससे पहले प्रोफेसर नेहा सिंह ने 'ओरियन' नामक रोबोटिक डॉग को विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस द्वारा विकसित उत्पाद बताया था, जो

बाद में चीनी निर्मित निकला। इस मामले ने भी खासा तूल पकड़ा था और चीनी मीडिया में विश्वविद्यालय को लेकर आलोचना हुई थी।

विवाद बढ़ने के बाद सरकार ने सख्त रुख अपनाया। एआई समिट में विश्वविद्यालय को अपना पवेलियन खाली करने का निर्देश दिया गया। सूत्रों के अनुसार, पवेलियन की बिजली आपूर्ति भी बंद कर दी गई और स्टाफ को वहां से हटाया गया।

सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस. कृष्णन ने स्पष्ट कहा कि सरकार किसी भी प्रदर्शक द्वारा दूसरे के उत्पाद को अपना मौलिक उत्पाद बताकर पेश किए जाने को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में केवल वास्तविक और स्वयं विकसित उत्पादों को ही प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

सांसद पप्पू यादव उर्फ राजेश रंजन पूर्णिया के विशेष न्यायालय में उपस्थित हुए

विधि संवाददाता पूर्णिया: पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव उर्फ राजेश रंजन बुधवार को पूर्णिया के विशेष एम0पी0/ एम0एल0ए0/ एम0एल0सी0 न्यायाधीश सह अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम प्रमोद रंजन के न्यायालय में उपस्थित हुए।

इस न्यायालय में उनके तीन मामलों के तृतीय निर्धारित थे। सांसद पप्पू यादव के अधिवक्ता मुरारी चौबे ने बताया कि के0 हाट थाना कांड संख्या 256/2024 एवं कसबा थाना कांड संख्या 72/2024 में उन पर लगाए गए आरोप को सुनाया गया अर्थात दोनों ही मामले में आप गठन किया गया।

इसी न्यायालय में लंबित सदर थाना 255/2024 में उनके सहयोगी द्वारा रुपया बांटने का मामला था, इसमें उपस्थित होने पर उन्हें पूर्व जमानत पर बने

रहने की अनुमति प्रदान की गई।

13 वर्षीय 7वीं के छात्र को सिर में मारी गोली, हालत गंभीर, सीसीटीवी फुटेज से हो रही तलाश

सहरसा, अजय कुमार

दिनदहाड़े सदर थाना क्षेत्र के कैलाशपुरी मोहल्ला स्थित राजेंद्र यादव चौक और राम टोली जाने वाली सड़क के बीच स्थित जीकेन यादव के दुकान के सामने विद्या निकेतन के से पढ़कर घर जा रहे 13 वर्षीय 7 वीं कक्षा के छात्र अंकित कुमार को गोली मार दी गई। गोली उनके कनपटी को जख्मी करते हुए निकल गई थी। जिससे वे गंभीर हालत में सड़क पर गिर गए थे। वही राइगर बाइक पर सवार मुख्य अपराधी सहित उनके अन्य सहयोगी घटनास्थल से फरार होने में कामयाब हो गए। जिस सूचना की संवेदनशीलता को देखते हर एसपी हिमांशु के निर्देश पर सदर थाना अध्यक्ष सहित अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारी की टीम घटनास्थल पर पहुंची थी।

जहां एफएसएल की टीम को भी बुलवाया गया था। डॉग स्क्वायड की टीम के साथ साइबर टीम भी पहुंची थी। घायल छात्र को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उसकी हालत स्थिर है। घायल छात्र सदर थाना क्षेत्र के सिमराहा मोहल्ला, वार्ड नंबर 35 निवासी अनुज कुमार निराला के पुत्र थे। उनके पिता ने बताया कि अंकित शाम के 3:30 बजे कैलाशपुरी मोहल्ला स्थित विद्या निकेतन विद्यालय से पढ़कर घर आ रहे थे। जैसे ही वे राजेंद्र यादव चौक और राम टोली जाने वाली सड़क के बीच स्थित जीकेन यादव की दुकान के पास पास पहुंचे।

तभी एक राइगर बाइक पर सवार तीन युवक उनके सिर में गोली मार दिया। जो उनके कनपटी को जख्मी कर दिया था। घटना की सूचना आसपास के लोगों ने उन्हें भी मोबाइल पर दी थी। पुत्र की हालात गंभीर है।अंकित को किसने और क्यों गोली मारी। वे नहीं जानते। उनका पुत्र शांत प्रवृत्ति का बच्चा है। सदर थाना अध्यक्ष सुबोध कुमार ने बताया कि एसपी के निर्देश पर वरीय पुलिस पदाधिकारी की टीम घटनास्थल का निरीक्षण कर चुके हैं। एफएसएल की टीम और साइबर की टीम भी जांच किया था। मामला को दर्ज कर जल्द ही अपराधी की गिरफ्तारी की जाएगी।

07 निश्चय' योजनाओं की प्रगति पर मंथन, समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश

पूर्णिया: पूर्णिया समाहरणालय में '07 निश्चय' एवं '07 निश्चय 2.0' के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। डीएम अंशुल कुमार के निर्देश पर निदेशक डीआरडीए अमरेंद्र कुमार सिन्हा ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित विभागों को लंबित कार्यों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया।

बैठक में जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र के माध्यम से संचालित बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता और कुशल युवा कार्यक्रम की भौतिक व वित्तीय प्रगति की समीक्षा की गई। हर घर नल का जल योजना (ग्रामीण) के अनुरक्षण, क्षतिग्रस्त संरचनाओं की मरम्मत और छूटे घरों को कनेक्शन देने के निर्देश भी दिए गए।

नगर निकायों में नल-जल योजना, ठोस-तरल अपशिष्ट प्रबंधन तथा ग्रामीण स्वच्छता मिशन के लंबित कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया गया। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी राकेश कुमार, पीएचईडी, नगर निगम एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बायसी में दिव्यांगजनों के लिए यूडीआईडी शिविर, 336 आवेदनों की प्रक्रिया शुरू

पूर्णिया: जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार के निर्देशानुसार बायसी प्रखंड कार्यालय एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बायसी में दिव्यांगजनों के यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (UDID) कार्ड निर्माण हेतु विशेष शिविर आयोजित किया गया, जहां प्रखंड विकास पदाधिकारी महेश कुमार ने स्थल निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। शिविर में चिकित्सकों की टीम द्वारा कुल 336 दिव्यांगजनों के आवेदन प्राप्त किए गए, जिनमें 82 अस्थि दिव्यांग, 66 श्रवण बाधित (ईएनटी), 46 बौद्धिक दिव्यांग तथा 142 पूर्व से निर्गत दिव्यांगता प्रमाण-पत्र धारकों के आवेदन शामिल हैं।

सभी आवेदनों की विभागीय पोर्टल पर प्रविष्टि की प्रक्रिया जारी है, जबकि पूर्व में ऑफलाइन जारी प्रमाण-पत्रों का भौतिक सत्यापन एवं प्रमाणीकरण कर उन्हें शीघ्र यूडीआईडी निर्माण के लिए अग्रसारित किया जा रहा है। शिविर की निगरानी जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, पूर्णिया के प्रभारी सहायक निदेशक अमरेश कुमार द्वारा दूरभाष एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की जा रही है। पंचायत सचिव, मुखिया, विकास मित्र, वार्ड सदस्य एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़े डाटा एंट्री ऑपरेटरों को अधिक से अधिक दिव्यांगजनों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप अस्थि, दृष्टि, श्रवण, बौद्धिक एवं बहुविध दिव्यांगता से संबंधित आवेदकों का परीक्षण कर आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया। गंभीर रूप से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए विशेष सुविधा की व्यवस्था की गई थी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दिव्यांगजनों को पेंशन, शिक्षा, रोजगार में आरक्षण एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर दिलाने के उद्देश्य से ऐसे शिविर आगे भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि कोई भी पात्र लाभार्थी अपने अधिकारों से वंचित न रहे।

समाहरणालय पूर्णिया में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक, राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश

पूर्णिया: पूर्णिया में जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार की अध्यक्षता में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक हुई, जिसमें वित्तीय वर्ष 2025-26 के राजस्व समाहरण की समीक्षा की गई।

खनिज विकास पदाधिकारी ने बताया कि चालू वर्ष के लिए 3274.22 लाख रुपये का लक्ष्य निर्धारित है। ईंट मद में 139.46 लाख के लक्ष्य के विरुद्ध 91.35 लाख तथा दंड मद में 191.18 लाख रुपये की वसूली की गई है। लघु खनिज रॉयल्टी व मालिकाना शुल्क से 2503.11 लाख के लक्ष्य के विरुद्ध 22 विभागों ने अब तक 1897.64 लाख जमा किए हैं।

बैठक में बैसा, बी. कोठी, विद्युत आपूर्ति इकाई, नगर पंचायत धमदाहा, चम्पानगर, रूपौली-बिरौली, भवानीपुर, जानकीनगर, मीरगंज, अमौर, बायसी व नगर परिषद कसबा द्वारा शून्य जमा राशि पर डीएम ने नाराजगी जताई और स्पष्टीकरण मांगा। साथ ही अवैध खनन पर सख्ती व शत-प्रतिशत रॉयल्टी जमा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डगरुआ व बायसी के आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण

पूर्णिया: जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार ने सभी विभागीय अधिकारियों को सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए लक्षित लाभुकों तक समय पर लाभ पहुँचाने पर जोर दिया है। इसी क्रम में आईसीडीएस की जिला प्रोग्राम पदाधिकारी सुगंधा शर्मा ने बुधवार को डगरुआ एवं बायसी प्रखंड के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान बच्चों की उपस्थिति, केंद्र परिसर की साफ-सफाई, उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के तहत प्रथम गर्भवती एवं द्वितीय कन्या शिशु की माताओं को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि, महिला पर्यवेक्षिकाओं की निगरानी व्यवस्था, बच्चों व गर्भवती तथा धात्री माताओं के स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण (वीएचएसएनडी) तथा पोषण आहार की उपलब्धता की गहन जांच की गई।

निरीक्षण में पाई गई कमियों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित सेविकाओं एवं पर्यवेक्षिकाओं से स्पष्टीकरण मांगने तथा आवश्यकतानुसार पोषाहार मद की राशि में कटौती करने का निर्देश दिया गया। साथ ही केंद्रों पर बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने, सुबह के नाश्ते में अंडा शामिल करने, एफआरएस शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने, बिजली कनेक्शन लेने तथा सभी आवश्यक अभिलेख केंद्र पर ही संधारित रखने के निर्देश दिए गए।

अवैध गांजा रखने का दोषी पाए गए अभियुक्त को 5 वर्ष कारावास एवं आर्थिक दंड की सजा

विधि संवाददाता पूर्णिया: एन0डी0पी0एस0 एक्ट के तहत अभियुक्त को 5 वर्ष कारावास एवं 50 हजार रुपए आर्थिक दंड की सजा सुनाई गई है। यह सजा चतुर्थ जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सह विशेष (एन0डी0पी0एस0 एक्ट) न्यायाधीश विक्रम कुमार ने स्पेशल (एन0डी0पी0एस0) केस संख्या: 16/2010 में सुनाया गया है। मामला के0 हाट सहायक थाना कांड सं0 317/2010 पर आधारित था। घटना 21 अगस्त 2010 की है।

तत्कालीन खजांची सहायक थाना अध्यक्ष राजीव कुमार रात्रि गश्ती के दौरान गुप्त सूचना पर अहले सुबह 5:00 बजे सुदीन चौक के पास राजू चौधरी पिता स्वर्गीय सयुग चौधरी के घर साकिन ततमा टोली, मंगल कॉलोनी पहुंचे तो अभियुक्त दीवार फांद कर भागने की कोशिश कर रहा था। दलबल के सहयोग से अभियुक्त को पकड़ा गया। उसके हाथ में लिए सफेद रंग के प्लास्टिक के बोरा का तलाशी लिया गया तो उक्त बोर में करीब 5 किलो गांजा बरामद हुआ।

गवाहों की गवाही और अभिलेख पर उपलब्ध अन्य साक्ष्यों के आधार पर दोषी पाए जाने के बाद अभियुक्त को उपरोक्त सजा सुनाई गई। इस मामले को अभियोजन पक्ष से संचालित कर रहे थे विशेष (एन0डी0पी0एस0) लोक अभियोजक शंभू आनंद।

पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ सहरसा शाखा के अध्यक्ष राहुल कुमार सिंह व सचिव विमल कुमार मनोनीत

सहरसा,अजय कुमार : पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ (सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ) की समस्तीपुर मंडल अंतर्गत सहरसा शाखा इकाई का गठन गुरुवार को किया गया।

मंडल मंत्री संतोष कुमार झा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में जोनल कार्यकारी महामंत्री सत्यप्रकाश, भारतीय मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष संतोष पासवान एवं जेडआरसीसी सदस्य (रेल, भारत सरकार) एन.पी. गरीब मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नवगठित शाखा में राहुल कुमार सिंह को अध्यक्ष, विमल कुमार को सचिव, राजन कुमार सिन्हा एवं कमलेश कुमार को संयुक्त सचिव, विवेकानंद को संगठन मंत्री, प्रणव वत्स को उप संगठन मंत्री तथा दिवाकर झा को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

मंडल मंत्री श्री झा ने कहा कि सदस्यता अभियान एवं शाखा पुनर्गठन के तहत नई टीम को दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने सहरसा में रेल कर्मियों से 8 घंटे से अधिक ड्यूटी लेने और समस्याओं के समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं मुख्य अतिथि एन.पी. गरीब ने कहा कि संगठन श्रमिक हित, उद्योग हित एवं राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करता रहेगा।

कार्यक्रम में जोनल कोषाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार सिंह, शिवजी प्रसाद, रमेश कुमार सिंह, मणिभूषण कुमार भारती, प्रांजल कुमार, मनोज कुमार महतो, रोहित कुमार, राजन कुमार झा, ललन कुमार, सोनू कुमार, आशीष कुमार, दीपक कुमार सिंह, असीत कुमार सिंह, कमलेश कुमार, विवेकानंद कुमार एवं प्रिंस कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

देशभर में 'युवा आपदा मित्र शिविर आयोजित

सहरसा,अजय कुमार : 17 बिहार बटालियन एनसीसी सहरसा के द्वारा दिनांक 18 फरवरी से 27 फरवरी तक ओटीए बरौनी में युवा आपदा शिविर का आयोजन किया गया है।इस शिविर में एनसीसी कैडेट्स को प्राकृतिक आपदाओं के दौरान त्वरित राहत और बचाव कार्य के लिए देशभर में 'युवा आपदा मित्र शिविर आयोजित किए हैं। इन शिविरों में कैडेटों को प्राथमिक चिकित्सा, बचाव तकनीक, और राहत कार्यों का प्रशिक्षण दिया जायेगा।ताकि प्राकृतिक आपदा या मानवीय आपदा के समय त्वरित रूप से राहत व बचाव. कार्य आसानी से संभव हो सके।

इस कैंप में भाग लेने के लिए मेजर डॉ गौतम कुमार के नेतृत्व में विभिन्न कॉलेज के कैडेट्स आज सहरसा से रवाना हुआ।उन्होने बताया कि एनसीसी कैडेट्स को युद्ध काल में सैनिकों की सहायता के साथ कदम से कदम मिलाकर हर संभव सहयोग व सहायतार्थ समय समय पर प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षित किया जाता है।इस दौरान एनसीसी कैडेट्स को अस्त्र शस्त्र एवं गोलाबारी संबंधी प्रशिक्षण देकर उन्हे राष्ट्रहित मे दक्ष किया जाता है।

तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य पर डीएम का आदेश

पूर्णिया: जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार के मार्गदर्शन में समाहरणालय परिसर स्थित तालाब के सौंदर्यीकरण का कार्य प्रगति पर है। बुधवार को डीएम ने निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण कर स्थल पर मौजूद अधिकारियों एवं संवेदक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि तालाब का सौंदर्यीकरण निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए तथा परिसर में बन रहे महिला एवं पुरुष शौचालय, गार्ड रूम, पंप हाउस सहित अन्य संरचनाओं का निर्माण गुणवत्तापूर्ण तरीके से तय समय-सीमा के भीतर पूरा कराया जाए।

उन्होंने कार्य में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए संबंधित पदाधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया, ताकि परिसर का सौंदर्यीकरण कार्य समय पर पूर्ण होकर आमजन के लिए आकर्षक एवं उपयोगी बन सके।

डीएम ने एकलव्य छात्रावास का किया औचक निरीक्षण

पूर्णिया: जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार ने क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम के तहत बुधवार को एकलव्य छात्रावास जिला स्कूल पूर्णिया का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, भोजन व्यवस्था तथा अध्ययन माहौल की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद कर पठन-पाठन की स्थिति, आवासीय सुविधाओं, भोजन की गुणवत्ता एवं व्यायाम आदि व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की और आवश्यक सुधार हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि वे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य को संवार सकें।

पूर्णिया के विधायक ने बजट सत्र में उठाए स्वतंत्रता सेनानियों व क्षेत्रीय विकास के मुद्दे

पूर्णिया: बिहार विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विधायक विजय खेमका ने शून्यकाल में स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़े अहम विषयों को सदन में प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि कई ऐसे सेनानी जिन्होंने भूमिगत रहकर स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया और जिनके पास प्रमाण उपलब्ध हैं, उन्हें अब तक आधिकारिक मान्यता नहीं मिल पाई है। विधायक ने सरकार से मांग की कि सभी पात्र व्यक्तियों को स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा देते हुए पेंशन की सुविधा प्रदान की जाए।

साथ ही वर्तमान में पेंशन प्राप्त कर रहे सेनानियों को केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा आधिकारिक पहचान पत्र जारी करने का आग्रह किया, ताकि वे विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सामाजिक सम्मान का लाभ सहजता से प्राप्त कर सकें। इसके अतिरिक्त उन्होंने क्षेत्रीय विकास के तहत पूर्णिया ईस्ट प्रखंड में महाराजपुर–डगरुआ मार्ग पर बसबाड़ी घाट में पुल निर्माण तथा घोषोबाड़ी हाट से महाराज स्थान तक कच्ची सड़क को पक्की सड़क में परिवर्तित करने की मांग भी रखी।

उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से ग्रामीणों की आवाजाही सुगम होगी और क्षेत्र के आर्थिक-सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी। विधायक ने विश्वास जताया कि केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से पूर्णिया के समग्र विकास की दिशा में निरंतर प्रगति जारी रहेगी।

पूर्णिया में डीएम अंशुल कुमार ने किया ईवीएम वेयरहाउस व परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

पूर्णिया: पूर्णिया के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार ने बुधवार को समाहरणालय परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक बाह्य निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। निरीक्षण में सुरक्षा उपकरणों, विद्युत व्यवस्था, अग्निशमन यंत्रों एवं सीसीटीवी प्रणाली की गहन जांच की गई। उप निर्वाचन पदाधिकारी संजुला कुमारी सहित संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहीं। सभी ने सुरक्षा प्रबंधों पर संतोष व्यक्त किया।

इसी क्रम में जिला प्रशासन द्वारा 17 से 25 फरवरी तक आयोजित वार्षिक माध्यमिक सैद्धांतिक परीक्षा 2026 के मद्देनजर डीएम ने जिला स्कूल, पूर्णिया परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण भी किया। उन्होंने परीक्षा संचालन, प्रश्नपत्र वितरण, वीक्षकों की प्रतिनियुक्ति, अभ्यर्थियों की जांच प्रक्रिया एवं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने कदाचारमुक्त एवं निष्पक्ष परीक्षा सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।

विधायक अख्तरुल ईमान की अहम पहल, 'प्राकृतिक मृत्यु पर भी प्रवासी मजदूरों का शव सरकारी खर्च पर लाने की मांग

पूर्णिया: अख्तरुल ईमान, अमौर विधायक एवं एआईएमआईएम बिहार प्रदेश अध्यक्ष, ने विधानसभा सत्र में प्रवासी मजदूरों के सम्मान और अधिकार से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार से मांग की कि दुर्घटना में मृत्यु की तरह प्राकृतिक मृत्यु की स्थिति में भी प्रवासी मजदूरों के पार्थिव शरीर को सरकारी खर्च पर उनके पैतृक निवास तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाए।

विधायक ने कहा कि प्रवासी मजदूर चाहे दुर्घटना में जान गंवाएं या स्वाभाविक कारणों से, दोनों ही परिस्थितियों में परिवार पर गहरा आर्थिक और मानसिक संकट आता है। अधिकांश मजदूर अत्यंत गरीब होते हैं और दूसरे राज्य या विदेश से शव लाने का खर्च वहन नहीं कर पाते।

उन्होंने कहा कि प्रवासी मजदूर बिहार की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उनके द्वारा भेजी गई रेमिटेंस राज्य के बाजार और विकास को गति देती है। ऐसे में संकट की घड़ी में सरकार को मानवता और सामाजिक न्याय का परिचय देते हुए प्राकृतिक मृत्यु के मामलों में भी शव वापसी की प्रक्रिया शीघ्र लागू करनी चाहिए, ताकि पीड़ित परिवारों को राहत मिल सके।

अमौर में 20 फरवरी को दिव्यांगजन UDID कार्ड शिविर, शत-प्रतिशत पंजीकरण का लक्ष्य

पूर्णिया, विमल किशोर: पूर्णिया जिला प्रशासन के निर्देशानुसार, अमौर प्रखंड में दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से 20 फरवरी को एक विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी राजा राम पंडित ने इस शिविर की घोषणा की, जो सुबह 11 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक रेफरल अस्पताल अमौर में आयोजित होगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को 'विशिष्ट पहचान पत्र' (UDID कार्ड) से शत-प्रतिशत आच्छादित करना है, ताकि वे सरकारी योजनाओं का सही तरीके से लाभ उठा सकें। बीडीओ ने बताया कि दिव्यांगजनों को शिविर में अपना रजिस्ट्रेशन करवाने और UDID कार्ड प्राप्त करने के लिए दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, पहचान पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो और अन्य संबंधित विवरण लेकर आना होगा।

इस शिविर की सफलता के लिए अमौर प्रखंड की 24 पंचायतों में पंचायत स्तरीय नोडल अधिकारियों (पंचायत सचिव) और विकास मित्रों की तैनाती की गई है। पंचायत सचिवों को अपने-अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, आशा कर्मियों और जीविका दीदियों के सहयोग से दिव्यांगजनों का मोबिलाइजेशन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही, प्रचार-प्रसार का भी विशेष ध्यान रखने के लिए कहा गया है, ताकि कोई भी पात्र दिव्यांग लाभ से वंचित न रहे।

इस शिविर के सफल संचालन के लिए भवानीपुर, बड़ा ईदगाह, रंगरैया लालटोली, तालबाड़ी, पोठिया गंगेली, घुरपैली, खाड़ी महीनगांव, बरबट्टा, हफनिया, ज्ञानडोभ, विष्णुपुर, झीवारी, बंगरा मेहदीपुर, अधांग, दलमालपुर, बकैनिया बरैली, हरिपुर, मच्छट्टा, नितेन्दर, तियरपाड़ा, खरहिया, डहुआबाड़ी, आमगाछी और मझुआहाट पंचायतों के लिए विशेष नोडल अधिकारियों की सूची तैयार की गई है। स्थानीय प्रशासन ने सभी दिव्यांगजनों से अपील की है कि वे इस शिविर का लाभ उठाकर अपना पंजीकरण सुनिश्चित करें और UDID कार्ड प्राप्त करें, ताकि वे सभी सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का सही तरीके से लाभ उठा सकें।

मैट्रिक परीक्षा के दूसरे दिन सख्ती, दो सीएस से स्पष्टीकरण तलब, 6 वीक्षिकाओं को हटाने का निर्देश

पूर्णिया, आनंद यादुका: धमदाहा में मैट्रिक परीक्षा के दूसरे दिन प्रशासन की सख्ती देखने को मिली। परीक्षा के दौरान कदाचार रोकने में लापरवाही बरतने के आरोप में अनुमंडल पदाधिकारी अनुपम ने दो केंद्राधीक्षकों (सीएस) से स्पष्टीकरण तलब किया है। दोनों पर परीक्षार्थियों की समुचित फ्रिस्किंग नहीं कराने का आरोप है। इसके साथ ही एसडीएम ने निरीक्षण कार्य में तैनात 6 वीक्षिकाओं को हटाने का निर्देश भी जारी किया है।

यह कार्रवाई महंत मंगनिराम दास अमारी तथा आदर्श मध्य विद्यालय अमारी में की गई अनियमितताओं के बाद की गई। मैट्रिक परीक्षा को कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन लगातार सक्रिय रहा। इस दौरान एसडीएम अनुपम के साथ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप गोल्डी तथा अंचलाधिकारी कुमार रवींद्रनाथ ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया।

इधर, बुधवार को परीक्षा के दूसरे दिन कुल नौ परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त माहौल में सम्पन्न हुई। इस दिन कुल 5890 छात्राओं को परीक्षा में शामिल होना था, जिनमें से 5803 छात्राएं उपस्थित रहीं, जबकि 87 छात्राएं अनुपस्थित पाई गईं। प्रशासनिक सतर्कता और निरंतर निगरानी के कारण सभी केंद्रों पर परीक्षा सुचारू रूप से सम्पन्न हुई, जिससे परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित हो सकी।

पूर्व विधायक शालिग्राम सिंह तोमर की 46वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

पूर्णिया: पूर्णिया के रूपौली प्रखंड स्थित झलारी गांव में पूर्व विधायक स्व. शालिग्राम सिंह तोमर की 46वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम उनके पैतृक गांव स्थित समाधि स्थल पर आयोजित हुआ।

मुख्य अतिथि रूपौली विधायक कलाधर प्रसाद मंडल ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी और उनके विकास कार्यों को याद किया। कार्यक्रम में शांति देवी, प्रवेश सिंह तोमर, मंटू सिंह तोमर सहित जनप्रतिनिधि व ग्रामीण मौजूद रहे।

स्व. तोमर का जन्म 15 अगस्त 1941 को हुआ था। वे पूर्णिया कॉलेज से स्नातक और पेशे से अधिवक्ता थे। 14 फरवरी 1980 को उनका निधन हुआ था।

भवानीपुर में 15 लीटर अवैध शराब के साथ तीन गिरफ्तार

पूर्णिया, आनंद यादुका: पूर्णिया के भवानीपुर नगर पंचायत क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 15 लीटर शराब के साथ तीन कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई मंगलवार रात गुप्त सूचना के आधार पर की गई।

भवानीपुर थानाध्यक्ष राजकुमार चौधरी ने बताया कि वार्ड संख्या 6 एवं 16 में छापेमारी के दौरान वार्ड 6 निवासी दीपक ऋषि, खंतर ऋषि तथा वार्ड 16 निवासी गंजू ऋषि उर्फ गंजा को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध कारोबारियों में हड़कंप है।

पूर्णिया विश्वविद्यालय में समन्वय बैठक, 75% उपस्थिति व इंटर्नशिप अनिवार्य

पूर्णिया: पूर्णिया विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में कुलपति की अध्यक्षता में समन्वय बैठक आयोजित हुई, जिसमें कुलसचिव, अध्यक्ष छात्र कल्याण, कुलानुशासक, उपकुलसचिव (शैक्षणिक) एवं सभी अंगीभूत महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

बैठक में महाविद्यालयों में स्वच्छ कक्ष, दो स्मार्ट क्लासरूम, विज्ञान प्रयोगशाला, पेयजल व महिला प्रसाधन की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। CBCS के तहत UG और PG छात्रों के लिए परीक्षा फॉर्म भरने हेतु 75% उपस्थिति अनिवार्य की गई। यूजी सेमेस्टर-05 में 4 क्रेडिट (100 अंक) की इंटर्नशिप भी अनिवार्य होगी।

NEP 2020 के अनुरूप महाविद्यालयों को बहुविषयी रूप में विकसित करने, ई-लाइब्रेरी सशक्त बनाने, करियर काउंसलिंग, वाई-फाई, खेल सामग्री व अन्य आधारभूत सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही 18 मार्च को विश्वविद्यालय स्थापना दिवस "Annual Meet cum Foundation Day" के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया।

जगदीश्वर नाथ मंदिर बेलगच्छी में अखंड हरी नाम संकीर्तन और विशाल भंडारे का आयोजन

पूर्णिया, विमल किशोर: महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर अमौर स्थित जगदीश्वर नाथ महादेव मंदिर, बेलगच्छी में भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में अखंड हरी नाम संकीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें बेलगच्छी कीर्तन मंडली, कोचका कीर्तन मंडली, रमणी कीर्तन मंडली और चन्नी कीर्तन मंडली द्वारा 24 घंटे तक हरी नाम संकीर्तन किया गया।

श्रद्धालुओं का उत्साह देखते हुए विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया, जहां समस्त ग्रामवासियों और दूर-दूर से आए भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस धार्मिक आयोजन को सफलता से सम्पन्न कराने में नवयुवकों का सराहनीय योगदान रहा, जिन्होंने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम की व्यवस्था को संभाला। महाशिवरात्रि पर्व को धूमधाम से मनाने के लिए ग्रामवासियों ने एकजुट होकर इस आयोजन को भव्य और प्रेरणादायक बनाया।

भा.ज.पा. प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी की माँ के निधन पर भाजपा नेताओं ने शोक व्यक्त किया

पूर्णिया: बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी की पूज्य माता स्वर्गीय राधा देवी के निधन पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य टनटन ठाकुर ने गहरी संवेदना व्यक्त की।

टनटन ठाकुर ने दरभंगा स्थित शास्त्री चौक पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के निवास पर जाकर शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ अपना समर्थन जताया।

वहीं, इस दुःखद घटना पर गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितीन नवीन, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित कई NDA नेताओं ने भी अपनी शोक संवेदनाएँ प्रकट की हैं। स्वर्गीय राधा देवी के निधन पर नेताओं द्वारा व्यक्त की गई संवेदनाओं ने पूरे परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान किया।

पूर्णिया विश्वविद्यालय में कक्षाओं के अभाव पर छात्रों का भविष्य खतरे में: छात्र जद (यू)

पूर्णिया: छात्र जनता दल (यू) के जिला अध्यक्ष अंकित झा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पूर्णिया विश्वविद्यालय अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों में कक्षाओं के नियमित संचालन में कमी को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बिना कक्षाएं कराए परीक्षा आयोजित करने से छात्रों को सिलेबस और विषयों की सही समझ नहीं होती, जिससे परीक्षा परिणाम अत्यंत खराब आ रहे हैं।

अंकित झा ने आरोप लगाया कि कुलपति के एक वर्ष के कार्यकाल में छात्रों के हित में 1 प्रतिशत भी ठोस कदम नहीं उठाए गए। उन्होंने लिखा कि विश्वविद्यालय प्रशासन तानाशाही रवैया अपनाए हुए है, पीजी सीटों के बावजूद ऑनलाइन आवेदन करने वाले छात्रों का नामांकन नहीं लिया जा रहा और CIA परीक्षा केवल औपचारिकता के लिए आयोजित की जा रही है।

उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बावजूद इसके विश्वविद्यालय प्रशासन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में विफल है। अंकित झा ने मांग की कि सभी महाविद्यालयों में तत्काल नियमित कक्षाएं संचालित की जाएँ, बिना कक्षाओं के परीक्षा लेने की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए और केवल नाम के लिए डिग्री देने की परंपरा समाप्त की जाए। उन्होंने कुलपति से आग्रह किया कि अब छात्र हित में ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएँ।

विवाह की मुसीबतें : रामधारी सिंह 'दिनकर'

नारी का यह कामिनी–रूप साथ–साथ शाप भी है और वरदान भी। वरदान वह इसलिए है कि नारी का यही रूप पुरुष को नारी के चरणों पर झुकाता है। और शाप वह इस कारण है कि जब तक नारी अपने कामिनी–रूप को आगे करके रोटी और सम्मान पाती है, तब तक उसे वह आत्मगौरव नहीं मिलेगा, जिसकी वह भूखी हैय तब तक उसे वह स्वाधीनता भी नहीं मिलेगी, जिसके लिए नारियाँ बड़े–बड़े आन्दोलन चला रही हैं। किन्तु नारी–स्वाधीनता के आन्दोलन से नारियों को प्राप्त क्या हुआ? पत्नियाँ जब मर्दानी औरतें बनकर स्वाधीनता की ओर बढ़ीं, उनके पति उनके सामने से भाग गए। वे या तो समलैंगिक बन गए या उन औरतों के पास जाने लगे जिनके साथ उनकी मर्दानगी कायम रहती थी। अब स्वाधीन नारियाँ घबराकर सोचने लगी हैं कि उनकी तथाकथित पराधीनता में ही कोई स्वाद था, जिसे स्वतंत्र होकर उन्होंने गँवा दिया है।

स्वाधीनता का वास्तविक अर्थ आर्थिक स्वाधीनता ही होती है। जब तक कामिनी–रूप को तटस्थ रखकर नारियाँ अपनी जीविका कमाने के योग्य नहीं हो जातीं, वे पराधीन ही रहेंगी और स्वतंत्र होकर वे उस अद्भुत स्वाद को अवश्य खो देंगी, जो उन्हें पराधीनता में सुलभ है।

किन्तु रोजी कमाने के क्रम में नारियाँ क्या अपने कामिनी–रूप को तटस्थ रख सकती है? सम्भव है, आगे चलकर यह गुण भी उनमें विकसित हो जाए। किन्तु अब तक जो कुछ देखने में आया है, उससे आशा को बल नहीं मिलता। दफ्तरों में काम करनेवाली देवियाँ अक्सर तरक्की पाने या अपने अधिकार बढ़ाने की लालसा में यथेष्ट बौद्धिक क्षमता के होते हुए भी शारीरिक आकर्षण का प्रयोग करने से नहीं चूकतीं। और कला की जो पुजारिनें मंच पर आती हैं, उन्हें भी कला से उपलब्ध कीर्ति से संतोष नहीं होता। वे किसी अन्य सिद्धि के लोभ में अपना विज्ञापन करने लगती हैं।

प्रेम की छोटी–बड़ी, किसी प्रकार की भी लीला के लिए केवल नारी को दोषी मानना बिलकुल हास्यास्पद बात है। किन्तु नारी के सामने सवाल उसकी आजादी का है और यह आजादी अभी उसे पुरुष के विरुद्ध ही हासिल करनी है। किन्तु जिसके विरुद्ध यह संग्राम है, नारी उसी पर आसक्त हो जाती है, क्योंकि प्रकृति की यही इच्छा है, नियति का यही विधान है। जीवन–शकट को आगे ले चलने का कार्य नर और नारी–दोनों को करना है। किन्तु प्रकृति ने उनकी रचना केवल संघर्ष के लिए ही नहीं, एक–दूसरे को प्यार करने के लिए भी की है। रक्त और मांस की पुकार नारी में नर से अधिक तीव्र नहीं होती, किन्तु कर्मठता के कोलाहल से दूर रहने के कारण नारी इस प्रकार की मद्धिम–से–मद्धिम आवाज को भी अनायास सुन लेती है। समाज ने उसका विकास मानव–रूप में कम, जीव के रूप में अधिक किया है। अतएव जैव प्रेरणाओं की अवज्ञा वह आसानी से नहीं कर सकती।

तब भी यह उचित है कि नारियों की आर्थिक स्वतंत्रता, जैसे भी हो, सम्भव बनाई जाए। अभी जो स्थिति है, वह काफी भयानक और कष्टपूर्ण है। कहने को हर पति अपनी पत्नी को रानी कहता हैय किन्तु आर्थिक पराधीनता के कारण पत्नी मन–ही–मन खूब समझती है कि रानी उसका ऊपरी नाम है। असल में वह पुरुष की रानी नहीं, सेविका है, इच्छाओं की दासी और काम की गुलाम है। कहने को तो यह भी कहा जाता है कि पति और पत्नी के बीच सम्बन्ध वही होना चाहिए, जो आत्मा और शरीर के बीच हैय किन्तु सच्चाई यह है कि आत्मा जब अलग होती है, तब लाश दो नहीं, एक ही रह जाती है। नारी को पराधीन बनाकर पुरुष ने अपने लिए संकट खड़ा कर लिया है। नारी को स्वतंत्रता देकर वह खुद स्वाधीन हो जाएगा। और नारी की स्वतंत्रता तब तक आ ही नहीं सकती, जब तक वह परोपजीवी है, वृक्ष के कन्धों पर लटकती हुई वल्लरी है, जो वृक्ष का रस चूसे बिना जीवित नहीं रह सकती। यह सत्य है कि नारी की परोपजीविता उन्मूलित हुई, तो हजारों साल से आते हुए नैतिक मूल्य आप–से–आप उन्मूलित हो जाएँगे। किन्तु मुझे तो यह भी दिखाई देता है कि वर्तमान पद्धति के कायम रहने से एक दिन वह भी आनेवाला है, जब विवाह में वे ही लोग फँसेंगे, जो आजीवन तपस्या करने अथवा पंचधुनी तापने को तैयार हों।

('विवाह की मुसीबतें' पुस्तक से)

कुरुक्षेत्र : रामधारी सिंह 'दिनकर' (हिन्दी कविता)

प्रथम सर्ग

वह कौन रोता है वहाँ-
इतिहास के अध्याय पर,
जिसमें लिखा है, नौजवानों के लहु का मोल है
प्रत्यय किसी बूढे, कुटिल नीतिज्ञ के व्याहार का;
जिसका हृदय उतना मलिन जितना कि शीर्ष वलक्ष है;
जो आप तो लड़ता नहीं,
कटवा किशोरों को मगर,
आश्वस्त होकर सोचता,
शोणित बहा, लेकिन, गयी बच लाज सारे देश की ?

और तब सम्मान से जाते गिने
नाम उनके, देश-मुख की लालिमा
है बची जिनके लुटे सिन्दूर से;
देश की इज्जत बचाने के लिए
या चढा जिनने दिये निज लाल हैं ।

ईश जानें, देश का लज्जा विषय
तत्त्व है कोई कि केवल आवरण
उस हलाहल-सी कुटिल द्रोहाग्नि का
जो कि जलती आ रही चिरकाल से
स्वार्थ-लोलुप सभ्यता के अग्रणी
नायकों के पेट में जठराग्नि-सी ।

विश्व-मानव के हृदय निर्द्वेष में
मूल हो सकता नहीं द्रोहाग्नि का;
चाहता लड़ना नहीं समुदाय है,
फैलतीं लपटें विषैली व्यक्तियों की साँस से ।

हर युद्ध के पहले द्विधा लड़ती उबलते क्रोध से,
हर युद्ध के पहले मनुज है सोचता, क्या शस्त्र ही-
उपचार एक अमोघ है
अन्याय का, अपकर्ष का, विष का
गरलमय द्रोह का !

लड़ना उसे पड़ता मगर ।
औ' जीतने के बाद भी,
रणभूमि में वह देखता है सत्य को रोता हुआ;
वह सत्य, है जो रो रहा इतिहास के अध्याय में
विजयी पुरुष के नाम पर कीचड़ नयन का डालता ।

उस सत्य के आघात से
हैं झनझना उठ्ती शिराएँ प्राण की असहाय-सी,
सहसा विपंचि लगे कोई अपरिचित हाथ ज्यों ।
वह तिलमिला उठता, मगर,
है जानता इस चोट का उत्तर न उसके पास है ।

सहसा हृदय को तोड़कर
कढती प्रतिध्वनि प्राणगत अनिवार सत्याघात की-
'नर का बहाया रक्त, हे भगवान ! मैंने
क्या किया
लेकिन, मनुज के प्राण, शायद, पत्थरों के हैं बने ।

इस दंश क दुख भूल कर
होता समर-आरूढ फिर;
फिर मारता, मरता,
विजय पाकर बहाता अश्रु है ।

यों ही, बहुत पहले कभी कुरुभूमि में
नर-मेध की लीला हुई जब पूर्ण थी,
पीकर लहू जब आदमी के वक्ष का
वज्रांग पाण्डव भीम क मन हो चुका
परिशान्त था ।

और जब व्रत-मुक्त-केशी द्रौपदी,
मानवी अथवा ज्वलित, जाग्रत शिखा
प्रतिशोध की
दाँत अपने पीस अन्तिम क्रोध से,
रक्त-वेणी कर चुकी थी केश की,
केश जो तेरह बरस से थे खुले ।

और जब पविकाय पाण्डव भीम ने
द्रोण-सुत के सीस की मणि छीन कर
हाथ में रख दी प्रिया के मग्न हो
पाँच नन्हें बालकों के मुल्य-सी ।

कौरवों का श्राद्ध करने के लिए
या कि रोने को चिता के सामने,
शेष जब था रह गया कोई नहीं
एक वृद्धा, एक अन्धे के सिवा ।

और जब,
तीव्र हर्ष-निनाद उठ कर पाण्डवों के शिविर से
घूमता फिरता गहन कुरुक्षेत्र की मृतभूमि में,
लड़खड़ाता-सा हवा पर एक स्वर निस्सार-सा,
लौट आता था भटक कर पाण्डवों के पास ही,
जीवितों के कान पर मरता हुआ,
और उन पर व्यंग्य-सा करता हुआ-
'देख लो, बाहर महा सुनसान है
सालता जिनका हृदय मैं, लोग वे सब जा चुके।'

हर्ष के स्वर में छिपा जो व्यंग्य है,
कौन सुन समझे उसे ? सब लोग तो
अर्द्ध-मृत-से हो रहे आनन्द से;
जय-सुरा की सनसनी से चेतना निस्पन्द है ।

किन्तु, इस उल्लास-जड़ समुदाय में
एक ऐसा भी पुरुष है, जो विकल
बोलता कुछ भी नहीं, पर, रो रहा
मग्न चिन्तालीन अपने-आप में ।

"सत्य ही तो, जा चुके सब लोग हैं
दूर ईष्या-द्वेष, हाहाकार से !
मर गये जो, वे नहीं सुनते इसे;
हर्ष क स्वर जीवितों का व्यंग्य है।"

शेष पढ़े कल के अंक में ...

विवादों से घिरे अध्यक्ष बिरला

सम्पादकीय नंदकिशोर
अध्यक्ष -प्रेस क्लब पूर्णिया
बीएसपीएस,बिहार

संसद की गरिमा केवल नियमों से नहीं बचती, बल्कि विश्वास से बचती है। यदि अध्यक्ष और विपक्ष के बीच विश्वास की डोर कमजोर हो रही है, तो उसे मजबूत करना दोनों की जिम्मेदारी है। अन्यथा अविश्वास प्रस्ताव भले गिर जाए, पर अविश्वास की भावना जीवित रहेगी। और लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा संकट यही है—संस्थाओं पर घटता विश्वास।

देश की संसद केवल कानून बनाने की जगह नहीं होती, वह लोकतंत्र की आत्मा का सार्वजनिक मंच होती है। जब उसी संसद की गरिमा पर प्रश्नचिह्न लगने लगें, जब लोकसभा अध्यक्ष जैसा संवैधानिक और निष्पक्ष माना जाने वाला पद विवादों के केंद्र में आ जाए, तो चिंता स्वाभाविक ही नहीं, अनिवार्य हो जाती है। इन दिनों लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेकर उठा विवाद केवल एक व्यक्ति या एक दल का मुद्दा नहीं है; यह हमारे संसदीय आचरण, राजनीतिक संस्कृति और लोकतांत्रिक परंपराओं की परीक्षा है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनुपस्थिति को लेकर जो घटनाक्रम सामने आया, उसने इस विवाद को और तीखा कर दिया। अध्यक्ष का यह कहना कि संभावित अप्रिय घटना की आशंका के कारण प्रधानमंत्री सदन में उपस्थित नहीं हुए, और उसके जवाब में विपक्ष की ओर से कड़ी आपत्ति—यह टकराव केवल बयानबाज़ी नहीं है, बल्कि आपसी अविश्वास की गहराई का संकेत है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी द्वारा इस दावे को पूरी तरह खारिज किया जाना बताता है कि संसद के भीतर संवाद की जगह संदेह ने ले ली है।

विपक्ष का आरोप नया नहीं है कि अध्यक्ष विपक्षी सदस्यों को पर्याप्त अवसर नहीं दे रहे। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का माइक को लेकर सार्वजनिक रूप से कहना और उस पर पैदा हुआ विवाद इस धारणा को बल देता है कि सदन के संचालन की निष्पक्षता पर प्रश्न उठ रहे हैं। भले ही अध्यक्ष यह स्पष्ट करें कि लोकसभा में माइक बंद करने का कोई बटन नहीं होता, लेकिन लोकतंत्र में धारणा भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी प्रक्रिया। यदि विपक्ष को लगता है कि उसकी आवाज़ दबाई जा रही है, तो यह स्थिति स्वयं में चिंताजनक है।

संसद के शीतकालीन सत्र 2023 में 141 सांसदों का निलंबन अभूतपूर्व रहा। सुरक्षा चूक को लेकर प्रधानमंत्री की उपस्थिति में गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग पर शुरू हुआ गतिरोध इतने बड़े पैमाने पर कार्रवाई में बदल गया। इससे पहले 1989 में 63 सांसदों के निष्कासन को बड़ा कदम माना गया था, परंतु 141 का आंकड़ा संसदीय इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ता है। प्रश्न यह है कि क्या इतनी बड़ी संख्या में निलंबन संवाद की विफलता का प्रमाण नहीं है? क्या सत्ता और विपक्ष के बीच पुल बनाने की जिम्मेदारी अध्यक्ष पर नहीं होती?

भारतीय लोकतंत्र में लोकसभा अध्यक्ष का पद विशेष महत्व रखता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 94 और 96 अध्यक्ष को पर्याप्त सुरक्षा और अधिकार देते हैं ताकि वे निर्भीक होकर कार्य कर सकें। उन्हें हटाने की प्रक्रिया जटिल रखी गई है ताकि तात्कालिक राजनीतिक असंतोष के आधार पर पद की स्थिरता न डगमगाए। कुल सदस्यों के बहुमत का समर्थन आवश्यक होना इस पद की गरिमा और स्थायित्व को रेखांकित करता है। परंतु संवैधानिक सुरक्षा का अर्थ यह नहीं कि नैतिक जवाबदेही समाप्त हो जाती है।

इतिहास बताता है कि अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव दुर्लभ रहे हैं, पर जब भी आए, उन्होंने राजनीतिक तापमान बढ़ाया। भारत के पहले लोकसभा अध्यक्ष जी.वी. मावलंकर के खिलाफ 1954 में प्रस्ताव लाया गया था। तब भी आरोप यही था कि अध्यक्ष सरकार के प्रभाव में काम कर रहे हैं। प्रस्ताव गिर गया, पर बहस ने संसदीय परंपराओं को परखा। तीसरी लोकसभा में हुकुम सिंह पर भी पक्षपात के आरोप लगे और समाजवादी नेता मधु लिमये ने उनके खिलाफ प्रस्ताव रखा। संख्या बल न होने के कारण वह प्रयास असफल रहा, पर संदेश स्पष्ट था कि निष्पक्षता पर संदेह लोकतंत्र को बेचैन कर देता है।

आठवीं लोकसभा में बलराम जाखड़ के खिलाफ भी विरोध दर्ज किया गया, जिसे वामपंथी नेता सोमनाथ चटर्जी ने आगे बढ़ाया। बोफोर्स जैसे मुद्दों पर सदन में भारी तनाव था। तब भी बहुमत की दीवार के आगे विपक्ष का प्रस्ताव टिक नहीं सका। यह इतिहास एक सच्चाई उजागर करता है—जब तक सत्ता पक्ष के पास संख्या है, अध्यक्ष को हटाना लगभग असंभव है। ऐसे प्रस्ताव अक्सर प्रतीकात्मक होते हैं, राजनीतिक असहमति का सार्वजनिक प्रदर्शन।

आज भी गणित विपक्ष के पक्ष में नहीं है। इसलिए वर्तमान अविश्वास प्रस्ताव के सफल होने की संभावना नगण्य है। किंतु प्रश्न सफलता या असफलता का नहीं, संदेश का है। यदि संसद में विपक्ष को यह महसूस होता है कि उसकी आवाज़ सुनी नहीं जा रही, तो यह केवल राजनीतिक शिकायत नहीं, लोकतांत्रिक चेतावनी है। अध्यक्ष को केवल नियमों का पालन कराने वाला प्रशासक नहीं, बल्कि सभी पक्षों के बीच संतुलन साधने वाला संरक्षक माना जाता है। उनकी कुर्सी सरकार की नहीं, सदन की होती है।

सत्ता पक्ष की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। बहुमत लोकतंत्र का आधार है, परंतु बहुमत का अहंकार लोकतंत्र का क्षरण कर सकता है। यदि विपक्ष हर मुद्दे पर टकराव की राह चुनता है, तो सत्ता पक्ष को संयम और उदारता का परिचय देना चाहिए। संसद बहस का मंच है, युद्ध का मैदान नहीं। आरोप-प्रत्यारोप, निलंबन और बहिष्कार लोकतांत्रिक संवाद की विफलता को ही दर्शाते हैं।

यह भी सच है कि विपक्ष कभी-कभी राजनीतिक लाभ के लिए संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करता है। परंतु जब लगातार और व्यापक रूप से निष्पक्षता पर सवाल उठें, तो आत्ममंथन आवश्यक हो जाता है। लोकसभा अध्यक्ष का पद जितना संवैधानिक रूप से सुरक्षित है, उतना ही नैतिक रूप से संवेदनशील भी। निष्पक्षता केवल आचरण में नहीं, आभास में भी दिखनी चाहिए।

संसद की गरिमा केवल नियमों से नहीं बचती, बल्कि विश्वास से बचती है। यदि अध्यक्ष और विपक्ष के बीच विश्वास की डोर कमजोर हो रही है, तो उसे मजबूत करना दोनों की जिम्मेदारी है। अन्यथा अविश्वास प्रस्ताव भले गिर जाए, पर अविश्वास की भावना जीवित रहेगी। और लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा संकट यही है—संस्थाओं पर घटता विश्वास।

आज आवश्यकता है कि संसद स्वयं अपने भीतर झांके। अध्यक्ष को यह दिखाना होगा कि वे दलगत सीमाओं से ऊपर हैं। विपक्ष को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि विरोध लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भीतर रहे। लोकतंत्र की खूबसूरती असहमति में है, पर उसकी मजबूती पारस्परिक सम्मान में। यदि यह संतुलन बिगड़ता है, तो संसद की गरिमा केवल बहस का विषय बनकर रह जाएगी।

टेक्नोलॉजी से जियोपॉलिटिक्स तक

समकालीन दुनिया इंटरनेट, क्लाउड और सोशल मीडिया के जरिए पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई है, और इसी जुड़ाव के केंद्र में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस खड़ा है। एआई अब केवल एक तकनीकी प्रवृत्ति नहीं रहा; यह भू-राजनीतिक शक्ति, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और सैन्य संतुलन का निर्णायक तत्व बनता जा रहा है। जिस तरह बीसवीं सदी में तेल और परमाणु तकनीक ने वैश्विक राजनीति को आकार दिया, उसी तरह इक्कीसवीं सदी में चिप्स, डेटा और कंप्यूटिंग पावर नई सामरिक संपत्ति बन चुके हैं।

आज की दुनिया में अमेरिका और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा केवल व्यापार युद्ध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सेमीकंडक्टर, एआई मॉडल और डेटा नियंत्रण की होड़ में बदल चुकी है। संयुक्त राज्य अमेरिका अपने निजी नवाचार तंत्र—विशेषकर OpenAI और Google जैसी कंपनियों—के जरिए तकनीकी बढ़त बनाए रखना चाहता है, जबकि चीन राज्य-समर्थित मॉडल के तहत Baidu और Alibaba जैसी कंपनियों को रणनीतिक समर्थन देकर 2030 तक वैश्विक नेतृत्व का लक्ष्य साध रहा है। यह प्रतिस्पर्धा केवल बाजार हिस्सेदारी की नहीं, बल्कि तकनीकी संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा की है।

एआई ने सप्लाई चेन की संरचना को भी बदल दिया है। सेमीकंडक्टर निर्माण में ताइवान, दक्षिण कोरिया और नीदरलैंड्स जैसे देशों की भूमिका अचानक भू-राजनीतिक रूप से अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गई है। चिप निर्यात नियंत्रण और प्रतिबंधों ने वैश्विक व्यापार को खंडित कर दिया है। अमेरिका द्वारा उन्नत चिप्स के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों ने चीन को घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। इससे "टेक्नोलॉजिकल डिकप्लिंग" की प्रक्रिया तेज हुई है, जहां देश वैश्विक सहयोग से हटकर अपने-अपने तकनीकी द्वीप बना रहे हैं।

भारत इस उभरते परिदृश्य में एक तीसरा मार्ग तलाशने की कोशिश कर रहा है। भारत की रणनीति न तो पूरी तरह निजी-उन्मुख अमेरिकी मॉडल है और न ही राज्य-नियंत्रित चीनी मॉडल। भारत "AI for All" के विजन के साथ एआई को सामाजिक-आर्थिक विकास के उपकरण के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। नीति आयोग की राष्ट्रीय एआई रणनीति कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्मार्ट सिटी जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग पर बल देती है। मार्च 2024 में शुरू हुआ IndiaAI Mission सात स्तंभों—इंफ्रास्ट्रक्चर, कंप्यूटिंग पावर, डेटा प्लेटफॉर्म, स्टार्टअप फंडिंग, अनुसंधान, स्किलिंग और विश्वसनीय एआई—पर आधारित है, जो भारत को वैश्विक एआई दौड़ में संरचनात्मक आधार प्रदान करता है।

भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना—आधार, यूपीआई और डिजिलॉकर जैसे प्लेटफॉर्म—ने पहले ही डिजिटल समावेशन का मॉडल प्रस्तुत किया है। अब इन्हीं संरचनाओं पर एआई आधारित समाधान विकसित करने का प्रयास हो रहा है। हाल के अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि एआई केवल महाशक्तियों का उपकरण न बने, बल्कि वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए भी सुलभ और उपयोगी हो। पेरिस में प्रस्तावित एआई एक्शन समिट 2025 में भारत की सह-अध्यक्षता इसी दिशा का संकेत है।

सैन्य और सुरक्षा आयामों में एआई का प्रभाव और भी गहरा है। स्वायत्त ड्रोन, भविष्यवाणी विश्लेषण और साइबर युद्ध की क्षमताएं पारंपरिक सैन्य शक्ति की अवधारणा को चुनौती दे रही हैं। जिस देश के पास अधिक डेटा, बेहतर एल्गोरिद्म और अधिक कंप्यूटिंग संसाधन होंगे, वही युद्धक्षेत्र में रणनीतिक बढ़त हासिल कर सकता है। एआई आधारित निगरानी और लक्ष्य पहचान प्रणाली युद्ध को अधिक सटीक और कम मानवीय हस्तक्षेप वाला बना रही है। इससे नैतिक प्रश्न भी उठ रहे हैं—क्या स्वायत्त हथियारों को अंतिम निर्णय का अधिकार होना चाहिए? क्या अंतरराष्ट्रीय मानदंड इस तकनीकी उछाल के साथ तालमेल बिठा पाएंगे?

अमेरिका और चीन के बीच "चिप युद्ध" केवल आर्थिक प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि सामरिक संतुलन का संघर्ष है। अमेरिका उन्नत एआई चिप्स पर नियंत्रण बनाए रखकर चीन की सैन्य क्षमता को सीमित करना चाहता है। दूसरी ओर, चीन घरेलू अनुसंधान और राज्य निवेश के माध्यम से आत्मनिर्भरता की राह पर है। इस संघर्ष का प्रभाव इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की शक्ति-संरचना पर भी पड़ेगा।

भारत के लिए यह अवसर और चुनौती दोनों है। एक ओर, भारत वैश्विक सप्लाई चेन के पुनर्संयोजन से लाभ उठा सकता है; दूसरी ओर, चिप निर्माण और उच्च स्तरीय अनुसंधान में निवेश की कमी उसे पीछे भी रख सकती है। भारत की ताकत उसका युवा जनसांख्यिकीय आधार और आईटी प्रतिभा है। स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स जैसे आकलनों में अमेरिका अनुसंधान गुणवत्ता और निजी निवेश में शीर्ष पर है, चीन शोध प्रकाशनों की मात्रा में मजबूत है, जबकि भारत टैलेंट और स्टार्टअप पारिस्थितिकी में तेजी से उभर रहा है।

एआई का राजनीतिक और सामाजिक प्रभाव भी कम नहीं है। चुनावी राजनीति में डीपफेक और लक्षित प्रचार लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती बन रहे हैं। गलत सूचना के प्रसार से सामाजिक ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। इसलिए एआई गवर्नेंस और विनियमन अत्यंत आवश्यक हो गया है। भारत ने उच्च-जोखिम एआई प्रणालियों के लिए दिशानिर्देश जारी कर जिम्मेदार एआई के प्रति प्रतिबद्धता जताई है।

भविष्य में एआई राष्ट्रों की शक्ति का निर्धारक कारक बनेगा। "राष्ट्रीय एआई द्वीप" बनने की संभावना है, जहां देश अपने-अपने डेटा और मॉडल्स को संरक्षित रखेंगे और वैश्विक सहयोग सीमित हो जाएगा। यह प्रवृत्ति वैश्विक असमानताओं को बढ़ा सकती है। यदि उन्नत एआई तकनीक केवल कुछ देशों तक सीमित रह गई, तो विकासशील देशों के लिए डिजिटल विभाजन और गहरा हो जाएगा।

भारत की रणनीति इस विभाजन को कम करने पर केंद्रित है। बहुभाषी और समावेशी मॉडल विकसित कर भारत वैश्विक दक्षिण की आवाज बनने का प्रयास कर रहा है। सर्वम एआई जैसे स्वदेशी मॉडल इसी दिशा में कदम हैं। हालांकि निवेश और हार्डवेयर अवसंरचना के मामले में भारत अभी अमेरिका और चीन से पीछे है। इसलिए दीर्घकालिक सफलता के लिए सेमीकंडक्टर निर्माण, सुपरकंप्यूटिंग और अनुसंधान में अधिक निवेश आवश्यक है।

एआई भू-राजनीति का नया यथार्थ यह है कि तकनीकी श्रेष्ठता अब केवल आर्थिक समृद्धि का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अस्तित्व का प्रश्न बनती जा रही है। अमेरिका वैश्विक साझेदारियों और निजी नवाचार के सहारे नेतृत्व बनाए रखना चाहता है; चीन राज्य-नियंत्रित मॉडल से सामरिक बढ़त चाहता है; और भारत समावेशी, लोकतांत्रिक और विकासोन्मुख एआई के माध्यम से तीसरा विकल्प प्रस्तुत कर रहा है।

आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि कौन-सा मॉडल अधिक स्थायी और प्रभावी सिद्ध होता है। पर इतना तय है कि एआई अब भू-राजनीतिक विमर्श का केंद्रीय विषय बन चुका है। जो देश डेटा, चिप्स और कंप्यूटिंग संसाधनों पर नियंत्रण स्थापित करेगा, वही वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित करेगा। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह उपयोगकर्ता से निर्माता की ओर बढ़े, हार्डवेयर निर्भरता कम करे और जिम्मेदार एआई शासन में अग्रणी भूमिका निभाए।

अंततः एआई केवल प्रतिस्पर्धा का उपकरण न बने, बल्कि सहयोग का माध्यम भी बने—यही वैश्विक स्थिरता की कुंजी होगी। यदि एआई को साझा विकास, पारदर्शिता और नैतिक मानकों के साथ आगे बढ़ाया जाए, तो यह नई भू-राजनीतिक दरारें पैदा करने के बजाय वैश्विक संतुलन को मजबूत भी कर सकता है। भारत के सामने यही ऐतिहासिक अवसर है कि वह इस तकनीकी क्रांति को मानव-केंद्रित दिशा दे और उभरती विश्व व्यवस्था में संतुलनकारी शक्ति के रूप में स्थापित हो।

— कृष्णा पाठक
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आज का राशीफल

मेष आज आपके सामाजिक मेलजोल में बढ़ोतरी महसूस हो सकती है। मित्र और परिवार आपको खुशी और सहयोग प्रदान करेंगे, जिससे आप खुलकर अपनी भावनाएं व्यक्त कर सकेंगे।	**कर्क** आज आप आत्मनिरीक्षण की ओर आकर्षित हो सकते हैं, अपने अंतर्मन की खोज कर सकते हैं। ऐसी गतिविधियों में संलग्न रहें जो आपकी आत्मा को पोषण दें और प्रियजनों के साथ संबंधों को मजबूत करें।	**तुला** आज का दिन आपको नए अनुभवों को अपनाने और उनसे सीखने के लिए प्रेरित करता है। अपनों के साथ सार्थक बातचीत करने से आपके रिश्ते और गहरे होंगे।	**मकर** आज आपका निजी जीवन शांतिपूर्ण रहने की संभावना है, और आपको पुराने मित्रों या परिवार के सदस्यों से फिर से जुड़ने का अवसर मिलेगा। अपनों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के लिए यह एक अनुकूल दिन है।
वृषभ आज आपका निजी जीवन नई ऊर्जा से परिपूर्ण होगा, जो आपको मित्रों और परिवार के साथ अधिक गहराई से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा। भावनात्मक जुड़ाव और नई समझ करीबी रिश्तों को और भी मजबूत बनाएगी, जिससे आपके परिवेश में सामंजस्य बढ़ेगा।	**सिंह** प्रियजनों के साथ गहरे संबंध स्थापित करने से आपका व्यक्तिगत जीवन सामंजस्यपूर्ण दौर से गुजरेगा। हंसी-खुशी और साझा अनुभवों के क्षणों को संजोकर रखें। संतुलन महत्वपूर्ण है, इसलिए अपनी जिम्मेदारियों के बीच अपने लिए समय निकालें।	**वृश्चिक** आपके निजी जीवन में आत्मनिरीक्षण और आत्म-खोज के क्षण आ सकते हैं। इस अवसर का उपयोग अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं और महत्वाकांक्षाओं को गहराई से समझने के लिए करें।	**कुंभ** आज आपके रिश्ते महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जो आपको खुशी और चुनौतियां दोनों दे सकते हैं। किसी भी गलतफहमी को दूर करने के लिए खुलकर बातचीत और सहानुभूति बेहद जरूरी है।
मिथुन आज का दिन कई रोचक अनुभवों से भरा हो सकता है। आपकी जिज्ञासा आपको नए शौक तलाशने या पुराने दोस्तों से फिर से जुड़ने के लिए प्रेरित कर सकती है।	**कन्या** आपका निजी जीवन सामाजिक गतिविधियों से भरा हुआ है, जिससे आपको पुराने दोस्तों और नए परिचितों से जुड़ने के अवसर मिलेंगे। आज सामुदायिक कार्यक्रमों या सामाजिक समारोहों में भाग लेने के लिए एक बेहतरीन दिन है।	**धनु** आज कई तरह की गतिविधियाँ होंगी। आपको जीवन के विभिन्न पहलुओं को संभालना पड़ सकता है, शायद कुछ अप्रत्याशित घटनाएँ भी घटित हों। इन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए लचीलापन और खुले विचारों को बनाए रखें।	**मीन** आज आपको अपने आस-पास के लोगों से गहराई से जुड़ने की तीव्र इच्छा हो सकती है। उन दोस्तों या परिवार के सदस्यों से संपर्क करें जिनसे आपने काफी समय से बात नहीं की है।